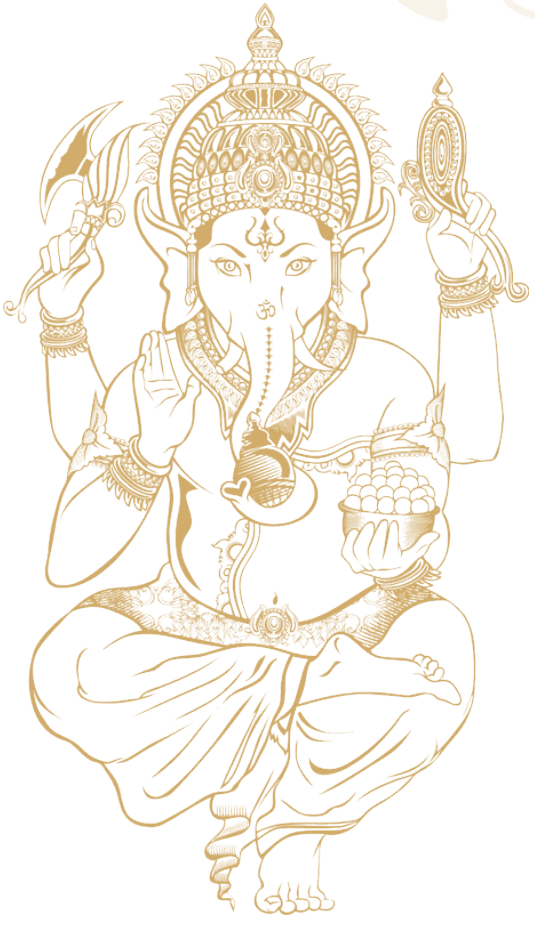

Mr. Ramesh Kr Poddar

09 Sep 1957

01:35 AM

Sibsagar

Model: web-FreeVarshphal

Order No: 121640602

पुल्लिंग	लिंग	पुल्लिंग
8-09/09/1957	जन्म तिथि	**09/09/2026**
रवि-सोमवार	दिन	बुधवार
घंटे 01:35:00	जन्म समय	17:50:57 घंटे
घटी 51:33:34	जन्म समय(घटी)	32:12:02 घटी
India	देश	India
Sibsagar	स्थान	Sibsagar
उत्तर 26:58:00	अक्षांश	26:58:00 उत्तर
पूर्व 94:39:00	रेखांश	94:39:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:48:36	स्थानिक संस्कार	00:48:36 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
04:57:34	सूर्योदय	04:58:08
17:23:12	सूर्यास्त	17:22:53
23:16:10	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:57
कर्क	लग्न	मीन
चन्द्र	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	सिंह
शनि	राशि-स्वामी	सूर्य
शतभिषा	नक्षत्र	मघा
राहु	नक्षत्र स्वामी	केतु
4	चरण	1
धृति	योग	शिव
बव	करण	विष्टि
सू-सूरज	जन्म नामाक्षर	मा-मानवी
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	क्षत्रिय
मानव	वश्य	वनचर
अश्व	योनि	मूषक
राक्षस	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	अन्त्य
मेष	वर्ग	मूषक
69	गत/तत्कालिक वर्ष	70

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
पुष्य	2	08:31:42	कर्क			लग्न			मीन	03:36:28	1	उ०भाद्रपद
पू०फाल्गुनी	3	22:36:56	सिंह			सूर्य			सिंह	22:36:56	3	पू०फाल्गुनी
शतभिषा	4	18:36:28	कुंभ			चंद्र			सिंह	01:31:59	1	मघा
उ०फाल्गुनी	1	26:50:48	सिंह		अ	मंगल			मिथु	24:30:30	2	पुनर्वसु
पू०फाल्गुनी	4	24:37:38	सिंह	व	अ	बुध		अ	कन्या	03:46:54	3	उ०फाल्गुनी
हस्त	1	13:08:14	कन्या			गुरु			कर्क	21:13:46	2	आश्लेषा
चित्रा	3	00:19:26	तुला			शुक्र			तुला	05:13:17	4	चित्रा
अनुराधा	4	15:02:03	वृश्चि			शनि	व		मीन	18:55:38	1	रेवती
स्वाति	4	18:44:36	तुला	व		राहु			कुंभ	05:35:30	4	धनिष्ठा
भरणी	2	18:44:36	मेष	व		केतु			सिंह	05:35:30	2	मघा
पुष्य	4	16:22:20	कर्क			मु			मेष	08:31:42	3	अश्विनी

व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:57

लग्न-चलित

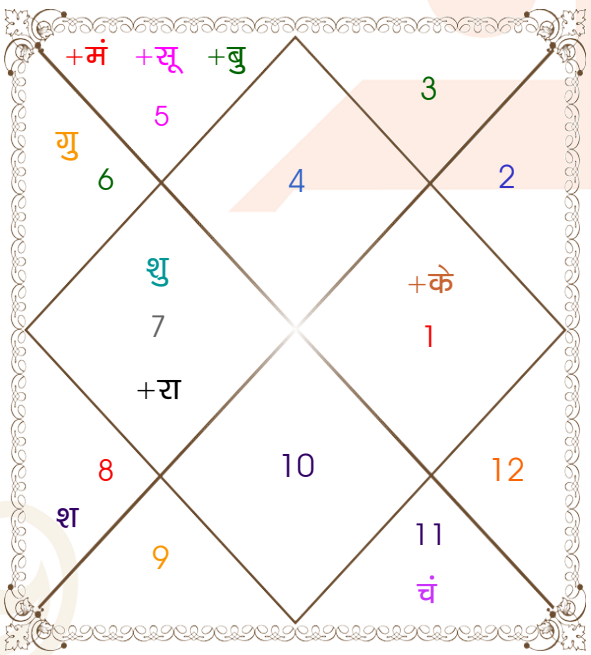

वर्ष लग्न कुंडली

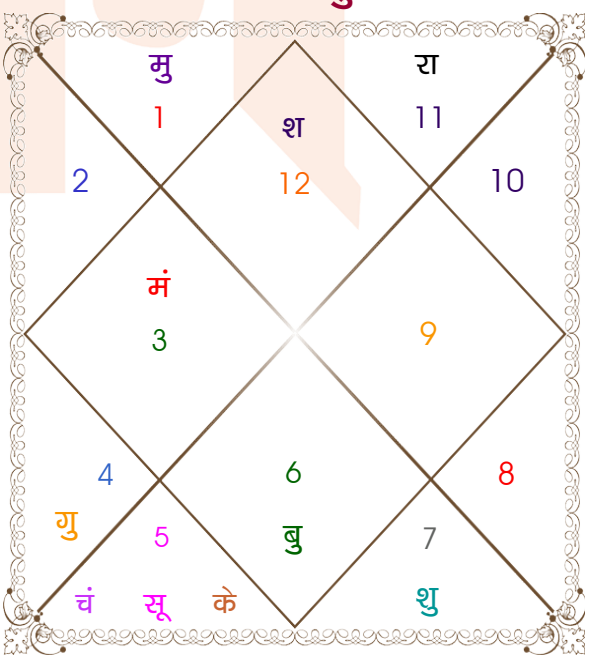

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

शुक्र - राहु - गुरु		शुक्र - राहु - शनि		शुक्र - राहु - बुध		शुक्र - राहु - केतु	
09/03/2026 07:50		02/08/2026 10:14		22/01/2027 22:05		27/06/2027 03:38	
02/08/2026 10:14		22/01/2027 22:05		27/06/2027 03:38		30/08/2027 01:41	
गुरु	28/03/2026 19:21	शनि	29/08/2026 21:31	बुध	13/02/2027 21:52	केतु	30/06/2027 21:07
शनि	20/04/2026 22:32	बुध	23/09/2026 11:23	केतु	22/02/2027 23:12	शुक्र	11/07/2027 12:48
बुध	11/05/2026 15:16	केतु	03/10/2026 14:17	शुक्र	20/03/2027 20:07	सूर्य	14/07/2027 17:30
केतु	20/05/2026 03:49	शुक्र	01/11/2026 12:15	सूर्य	28/03/2027 14:24	चंद्र	20/07/2027 01:20
शुक्र	13/06/2026 12:13	सूर्य	10/11/2026 04:27	चंद्र	10/04/2027 12:52	मंगल	23/07/2027 18:49
सूर्य	20/06/2026 19:32	चंद्र	24/11/2026 15:26	मंगल	19/04/2027 14:11	राहु	02/08/2027 08:56
चंद्र	02/07/2026 23:44	मंगल	04/12/2026 18:20	राहु	12/05/2027 21:01	गुरु	10/08/2027 21:28
मंगल	11/07/2026 12:16	राहु	30/12/2026 18:54	गुरु	02/06/2027 13:45	शनि	21/08/2027 00:22
राहु	02/08/2026 10:14	गुरु	22/01/2027 22:05	शनि	27/06/2027 03:38	बुध	30/08/2027 01:41

शुक्र - राहु - शुक्र		शुक्र - राहु - सूर्य		शुक्र - राहु - चंद्र		शुक्र - राहु - मंगल	
30/08/2027 01:41		28/02/2028 16:41		23/04/2028 11:35		23/07/2028 19:05	
28/02/2028 16:41		23/04/2028 11:35		23/07/2028 19:05		25/09/2028 17:08	
शुक्र	29/09/2027 12:11	सूर्य	02/03/2028 10:26	चंद्र	01/05/2028 02:13	मंगल	27/07/2028 12:34
सूर्य	08/10/2027 15:20	चंद्र	07/03/2028 00:00	मंगल	06/05/2028 10:03	राहु	06/08/2028 02:41
चंद्र	23/10/2027 20:35	मंगल	10/03/2028 04:42	राहु	20/05/2028 02:46	गुरु	14/08/2028 15:13
मंगल	03/11/2027 12:16	राहु	18/03/2028 09:57	गुरु	01/06/2028 06:58	शनि	24/08/2028 18:07
राहु	30/11/2027 21:43	गुरु	25/03/2028 17:16	शनि	15/06/2028 17:58	बुध	02/09/2028 19:26
गुरु	25/12/2027 06:07	शनि	03/04/2028 09:27	बुध	28/06/2028 16:25	केतु	06/09/2028 12:55
शनि	23/01/2028 04:05	बुध	11/04/2028 03:44	केतु	04/07/2028 00:16	शुक्र	17/09/2028 04:36
बुध	18/02/2028 01:01	केतु	14/04/2028 08:26	शुक्र	19/07/2028 05:31	सूर्य	20/09/2028 09:18
केतु	28/02/2028 16:41	शुक्र	23/04/2028 11:35	सूर्य	23/07/2028 19:05	चंद्र	25/09/2028 17:08

शुक्र - गुरु - गुरु		शुक्र - गुरु - शनि		शुक्र - गुरु - बुध		शुक्र - गुरु - केतु	
25/09/2028 17:08		02/02/2029 13:56		06/07/2029 19:08		21/11/2029 18:44	
02/02/2029 13:56		06/07/2029 19:08		21/11/2029 18:44		17/01/2030 14:20	
गुरु	13/10/2028 00:42	शनि	26/02/2029 23:57	बुध	26/07/2029 08:17	केतु	25/11/2029 02:17
शनि	02/11/2028 14:12	बुध	20/03/2029 20:18	केतु	03/08/2029 09:27	शुक्र	04/12/2029 13:33
बुध	20/11/2028 23:45	केतु	29/03/2029 20:12	शुक्र	26/08/2029 09:23	सूर्य	07/12/2029 09:43
केतु	28/11/2028 13:34	शुक्र	24/04/2029 13:04	सूर्य	02/09/2029 06:58	चंद्र	12/12/2029 03:21
शुक्र	20/12/2028 05:02	सूर्य	02/05/2029 06:07	चंद्र	13/09/2029 18:56	मंगल	15/12/2029 10:54
सूर्य	26/12/2028 16:52	चंद्र	15/05/2029 02:33	मंगल	21/09/2029 20:07	राहु	23/12/2029 23:26
चंद्र	06/01/2029 12:36	मंगल	24/05/2029 02:28	राहु	12/10/2029 12:51	गुरु	31/12/2029 13:15
मंगल	14/01/2029 02:25	राहु	16/06/2029 05:38	गुरु	30/10/2029 22:24	शनि	09/01/2030 13:09
राहु	02/02/2029 13:56	गुरु	06/07/2029 19:08	शनि	21/11/2029 18:44	बुध	17/01/2030 14:20

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा तथा यदा कदा मानसिक रूप से आप कष्ट तथा परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक स्थिति भी सामान्य ही रहेगी तथा उद्विग्नता एवं चंचलता का भाव भी विद्यमान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों से सामान्य सहयोग मिलता रहेगा। संतति पक्ष से भी आप सन्तुष्ट रहेंगे तथा अपने कार्य क्षेत्र में वे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। ज्ञानार्जन में इस समय आपकी पूर्ण रूचि रहेगी तथा परिश्रम पूर्वक विभिन्न शास्त्रों का अध्ययन करने या वैज्ञानिक शोध कार्य के प्रति आपका विशेष ध्यान रहेगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी तथा अवसरानुकूल आप धार्मिक कार्यो को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही धार्मिक नेताओं से सम्पर्क या तीर्थ यात्रा की भी संभावना रहेगी। इस समय आपके कार्य बुद्धिमता तथा परिश्रम से सम्पन्न होंगे तथा लोग आप पर काफी विश्वास रखेंगे जिससे सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी ।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए समय मध्यम रहेगा तथा परिश्रम एवं संघर्ष से आपको सफलता मिलेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी उन्नति होगी परन्तु इस समय आप आवास या स्थान संबधी परिवर्तन भी कर सकते हैं। शत्रु या विरोधी पक्ष भी यद्यपि समस्याएं उत्पन्न करेंगे परन्तु अन्त में उन पर विजय प्राप्त करेंगे। आर्थिक स्थिति इस समय सामान्यतया अच्छी रहेगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। साथ ही अल्प मात्रा में कोई विशेष लाभ भी हो सकता है। अतः यह वर्ष आपके लिए सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि परिश्रम से ही कार्यो कलापों में सिद्धि प्राप्त हो सकेगी।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में शारीरिक रूप से आप की स्वस्थता बनी रहेगी। साथ ही मानसिक रूप से भी आप शान्ति तथा प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस समय आप में उत्साह के भाव की प्रबलता रहेगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य उत्साह एवं परिश्रम से ही सम्पन्न करेंगे।साथ ही इनमें आपको वांछित सफलता भी प्राप्त होगी। इस समय आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा फलतः सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे एवं आपको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे।बन्धुवर्ग से भी इस वर्ष आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा उनसे लाभ भी मिलेगा। मिष्ठान्न के प्रति इस समय आपकी विशेष रूचि रहेगी तथा इच्छानुसार आप समय समय पर रूचि पूर्वक इसका भक्षण कर के आनन्द की प्राप्ति करेंगे।

इस वर्ष में राजनैतिक रूप से प्रभाव शाली व्यक्तियों या सरकार के उच्चाधिकारी वर्ग से आप को आश्रय मिलेगा अर्थात आपसे ये लोग प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे एवं समय समय पर अपना पूर्ण सहयोग प्रदान करेंगे। फलतः आपके सभी सांसारिक महत्व के कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी आपकी आय अच्छी रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ की प्राप्ति होगी तथा आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त स्त्री से भी आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपके मन में प्रसन्नता का भाव विद्यमान रहेगा।